खण्ड-482, अंक-5
मंगलवार, 13 अग्रहायण, शक संवत् 1934
(04 दिसम्बर, 2012 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(सोलहवीं विधान सभा, द्वितीय सत्र, 2012)

(खण्ड 482 में 06 अंक हैं)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2012

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे ।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये ।

विषय-सूची

विषय			पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य	...	...	1-6
भारत के पूर्व प्रधान मंत्री श्री इन्द्र कुमार गुजराल के निधन पर शोकोद्गार		...	7-9
विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री रामकरन यादव के निधन पर शोकोद्गार		...	9-14

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सोलहवीं विधान सभा

मंगलवार, 04 दिसम्बर, 2012

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-311

1. अंसार अहमद, श्री — इलाहाबाद
2. अखिलेश कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
3. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
4. अजय मिश्र 'टेनी', श्री — लखीमपुर खीरी
5. अजय कुमार, डा0 — इलाहाबाद
6. अजय कुमार 'लल्लू', श्री — कुशीनगर
7. अजीमुलहक पहलवान, श्री — अम्बेडकर नगर
8. अताउररहमान, श्री — बरेली
9. अनिल वर्मा, श्री — उन्नाव
10. अनीसुर्ररहमान, श्री — मुरादाबाद
11. अनूप कुमार गुप्ता, श्री — सीतापुर
12. अनूप सण्डा, श्री — सुल्तानपुर
13. अब्दुल मशहूद खाँ, श्री — बलरामपुर
14. अभय नरायन सिंह पटेल, श्री — आजमगढ़
15. अभय सिंह, श्री — फैजाबाद
16. अभिषेक मिश्र, श्री — लखनऊ
17. अमर पाल शर्मा, श्री — गाजियाबाद
18. अमित गौरव यादव, श्री — एटा
19. अयोध्या प्रसाद पाल, श्री — फतेहपुर
20. अरविन्द कुमार सिंह 'गोप', श्री — बाराबंकी
21. अरविन्द सिंह यादव, श्री — कन्नौज
22. अरूण वर्मा, श्री — सुल्तानपुर
23. अरूण कुमार, डा0 — बरेली
24. अरूण कुमारी कोरी, श्रीमती — कानपुर नगर
25. अलगू प्रसाद चौहान, श्री — सन्तकबीर नगर
26. अली यूसूफ अली, श्री — रामपुर
27. अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह, श्री — गोण्डा
28. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — लखीमपुर खीरी
29. अविनाश कुशवाहा, श्री — सोनभद्र
30. अशफाक अली खां, श्री — ज्योतिबाफूले नगर
31. आदिल शेख, श्री — आजमगढ़
32. आनन्द सिंह, कुंवर — गोण्डा
33. आरिफ अनवर हाशमी, श्री — बलरामपुर
34. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
35. आलोक कुमार शाक्य, श्री — मैनपुरी
36. आशा किशोर, श्रीमती — छत्रपति शाहूजी महराज नगर
37. आशीष यादव, श्री — बदायूं
38. आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री — बदायूं
39. इकबाल, श्री — बिजनौर
40. इकबाल महमूद, श्री — भीमनगर
41. इन्दल कुमार, श्री — लखनऊ
42. इन्द्रजीत कोरी, श्री — कानपुर नगर
43. इन्द्रपाल सिंह, श्री — रमाबाईनगर
44. इन्द्राणी देवी, श्रीमती — श्रावस्ती
45. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
46. उत्कर्ष वर्मा मधुर, श्री — लखीमपुर खीरी

47. उदयराज, श्री उन्नाव
48. उदय लाल मौर्या, श्री वाराणसी
49. उपेन्द्र तिवारी, श्री बलिया
50. उमाकान्ती, श्रीमती जालौन
51. उमाशंकर, श्री बलिया
52. उमेश पाण्डेय, श्री मऊ
53. ओमकार सिंह, श्री बदायूं
54. ओम प्रकाश वर्मा, श्री फिरोजाबाद
55. कमाल अख्तर, श्री ज्योतिबाफूले नगर
56. कमाल यूसुफ मलिक, श्री सिद्धार्थनगर
57. कलराज मिश्र, श्री लखनऊ
58. काली चरन सुमन, श्री आगरा
59. कुलदीप सिंह सेंगर, श्री उन्नाव
60. कृष्णपाल सिंह राजपूत, श्री झांसी
61. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
62. केशव प्रसाद (कुशवाहा) मौर्य, श्री कौशाम्बी
63. कैलाश, श्री गाजीपुर
64. कैलाश चौरसिया, श्री मिर्जापुर
65. कौशल सिंह कुंवर, श्री महराजगंज
66. गंगा, श्री कुशीनगर
67. गजराज सिंह, श्री पंचशील नगर
68. गजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
69. गयादीन अनुरागी, श्री हमीरपुर
70. गायत्री प्रसाद, श्री छत्रपति शाहूजी महराज नगर
71. गिरीश चन्द्र उर्फ गामा पाण्डेय, श्री इलाहाबाद
72. गुटियारी लाल दुवेश, श्री आगरा
73. गुलाब चन्द, श्री जौनपुर
74. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
75. गेंदा लाल चौधरी, श्री महामायानगर
76. गोमती यादव, श्री लखनऊ
77. गोरख पासवान, श्री बलिया
78. चन्द्रा रावत, श्रीमती लखनऊ
79. चितरंजन स्वरूप, श्री मुजफ्फरनगर
80. छोटेलाल वर्मा, श्री आगरा
81. जगतम्बा सिंह, श्री मिर्जापुर
82. जगदीश सोनकर, श्री जौनपुर
83. जगराम पासवान, श्री बलरामपुर
84. जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
85. जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री फर्रुखाबाद
86. जमीर उल्ला खां, श्री अलीगढ़
87. जमील अहमद कास्मी, श्री मुजफ्फरनगर
88. जय प्रकाश निषाद, श्री गोरखपुर
89. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
90. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
91. जाहीद बेग, श्री सन्तरविदास नगर (भदोही)
92. जीतेन्द्र कुमार उर्फ नन्दू चौधरी, श्री बस्ती
93. ज्योत्सना श्रीवास्तव, श्रीमती वाराणसी
94. तसलीम, श्री बिजनौर
95. तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय, श्री फैजाबाद
96. तेजपाल सिंह, श्री मथुरा
97. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
98. त्रिलोकीराम, श्री अलीगढ़
99. दयाशंकर वर्मा, श्री जालौन
100. दलजीत सिंह, श्री बांदा
101. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
102. दिलनवाज खान, श्री बुलन्दशहर
103. दीपक कुमार, श्री उन्नाव
104. दीपक पटेल, श्री इलाहाबाद
105. दीपनारायण सिंह (दीपक यादव), श्री झांसी
106. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़

107. देवनरायन उर्फ जी0एम0 सिंह, श्री — महराजगंज
108. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री — रायबरेली
109. धर्मपाल सिंह, श्री — बरेली
110. धर्मराज, श्री — बाराबंकी
111. धर्मेश सिंह तोमर, श्री — पंचशील नगर
112. नन्दिता शुक्ल, श्रीमती — गोण्डा
113. नरेन्द्र सिंह यादव, श्री — फर्रुखाबाद
114. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री — सीतापुर
115. नवाजिश आलम खान, श्री — मुजफ्फरनगर
116. नागेन्द्र सिंह ''मुन्ना यादव'', श्री — प्रतापगढ़
117. निरंजन ज्योति, साध्वी — हमीरपुर
118. नीरज (कुशवाहा) मौर्य, श्री — शाहजहांपुर
119. पंकज कुमार मलिक, श्री — प्रबुद्धनगर
120. परवेज अहमद (टंकी), हाजी — इलाहाबाद
121. पिंकी सिंह, श्रीमती — भीमनगर
122. पीटर फैन्थम, श्री — नाम-निर्देशित
123. पीतमराम, श्री — पीलीभीत
124. पूजा पाल, श्रीमती — इलाहाबाद
125. पूनम सोनकर, श्रीमती — चन्दौली
126. पूरन प्रकाश, श्री — मथुरा
127. पूर्णमासी देहाती, श्री — कुशीनगर
128. प्रदीप चौधरी, श्री — सहारनपुर
129. प्रदीप कुमार यादव, श्री — औरैया
130. प्रदीप माथुर, श्री — मथुरा
131. प्रभुदयाल वाल्मीकि, श्री — मेरठ
132. प्रमोद कुमार गुप्ता, श्री — औरैया
133. प्रमोद तिवारी, श्री — प्रतापगढ़
134. फतेह बहादुर, श्री — गोरखपुर
135. फरीद महफूज किदवई, श्री — बाराबंकी
136. फसीहा बशीर (गजाला लारी), चौधरी — देवरिया
137. फेरन लाल, श्री — ललितपुर
138. बंशी सिंह पहाड़िया, श्री — बुलन्दशहर
139. बजरंग बहादुर सिंह, श्री — महराजगंज
140. बदलू खां, श्री — उन्नाव
141. बब्बन, श्री — चन्दौली
142. बाबू खां, श्री — हरदोई
143. बाबूलाल, श्री — गोण्डा
144. बावन सिंह, श्री — गोण्डा
145. बृज लाल सोनकर, श्री — आजमगढ़
146. बृजेश कठेरिया, इंजी0 — मैनपुरी
147. बेचई सरोज, श्री — आजमगढ़
148. बैजनाथ, श्री — मऊ
149. ब्रह्माशंकर त्रिपाठी, श्री — कुशीनगर
150. भगवत सरन गंगवार, श्री — बरेली
151. भगवती प्रसाद, श्री — अलीगढ़
152. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री — आगरा
153. भाई लाल कोल, श्री — मिर्जापुर
154. भारतेन्द्र, कुंवर — बिजनौर
155. भीम प्रसाद सोनकर, श्री — अम्बेडकरनगर
156. मदन गोपाल वर्मा, श्री — फतेहपुर
157. मदन चौहान, श्री — गाजियाबाद
158. मधुबाला, श्रीमती — सन्त रविदास नगर (भदोही)
159. मनबोध, श्री — देवरिया
160. मनीष असीजा, श्री — फिरोजाबाद
161. मनीष रावत, श्री — सीतापुर
162. मनोज कुमार, श्री — चन्दौली
163. मनोज कुमार पारस, श्री — बिजनौर
164. ममतेश शाक्य, श्री — काशीराम नगर
165. महबूब अली, श्री — जे0पी0नगर
166. महावीर सिंह, कुं0 — हरदोई
167. महावीर सिंह राणा, श्री — सहारनपुर

168. महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू, श्री सीतापुर
169. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
170. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
171. मानपाल सिंह, श्री काशीराम नगर
172. मित्रसेन यादव, श्री फैजाबाद
173. मुकुट बिहारी वर्मा, श्री बहराइच
174. मुख्तार अंसारी, श्री मऊ
175. मुनीन्द्र शुक्ला, श्री कानपुर नगर
176. मुसर्रत अली बिट्टन, श्री बदायूं
177. मुहम्मद रमजान, श्री श्रावास्ती
178. मूलचन्द्र चौहान, ठा0 बिजनौर
179. मो0 आसिफ, श्री फतेहपुर
180. मो0 मुस्लिम, श्री छत्रपति शाहूजी महाराज नगर
181. मो0 रेहान, श्री लखनऊ
182. मोहम्मद आजम खां, श्री रामपुर
183. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
184. मौ0 इरफान, श्री मुरादाबाद
185. मौहम्मद युसुफ अंसारी, श्री मुरादाबाद
186. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
187. योगेन्द्रपाल सिंह, श्री रमाबाईनगर
188. योगेश प्रताप सिंह 'योगेश भइया', श्री गोण्डा
189. रघुनन्दन सिंह भदौरिया, श्री कानपुर नगर
190. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
191. रघुराज सिंह शाक्य, श्री इटावा
192. रमेश चन्द, श्री मिर्जापुर
193. रमेश प्रसाद कुशवाहा, श्री ललितपुर
194. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
195. रविन्द्र कुमार मोल्हू, श्री सहारनपुर
196. रविन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
197. रविन्द्र भडाना, श्री मेरठ
198. राकेश कुमार, श्री अलीगढ़
199. राकेश प्रताप सिंह, श्री छत्रपति शाहूजी महाराज नगर
200. राघव लखनपाल, श्री सहारनपुर
201. राजकिशोर सिंह, श्री बस्ती
202. राजकुमार उर्फ राजू यादव, श्री मैनपुरी
203. राजकुमार रावत, श्री मथुरा
204. राजनारायण बुधौलिया उर्फ रज्जू महाराज, श्री महोबा
205. राजबली जैसल, श्री इलाहाबाद
206. राजमती, श्रीमती गोरखपुर
207. राजाराम, श्री प्रतापगढ़
208. राजेन्द्र, श्री गोरखपुर
209. राजेश अग्रवाल, श्री बरेली
210. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
211. राजेश यादव, श्री शाहजहांपुर
212. राजेश्वरी, श्रीमती हरदोई
213. राधा मोहन दास अग्रवाल, डा0 गोरखपुर
214. राधेलाल रावत, श्री उन्नाव
215. राधे श्याम, श्री छत्रपति शाहूजी महाराज नगर
216. राधेश्याम सिंह, श्री कुशीनगर
217. राधेश्याम जायसवाल, श्री सीतापुर
218. राम करन आर्य, श्री बस्ती
219. रामखिलाड़ी सिंह यादव, श्री भीमनगर
220. रामगोपाल, श्री बाराबंकी
221. राम गोविन्द, श्री बलिया
222. रामचन्द्र चौधरी, श्री सुल्तानपुर
223. रामचन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
224. रामपाल यादव, श्री सीतापुर
225. रामपाल राजवंशी, श्री सीतापुर

226. राम प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
227. राम मगन, श्री बाराबंकी
228. राममूर्ती सिंह वर्मा, श्री शाहजहांपुर
229. रामलाल अकेला, श्री रायबरेली
230. रामवीर उपाध्याय, श्री महामाया नगर
231. रामशरन, श्री लखीमपुर खीरी
232. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
233. रामस्वरूप सिंह, श्री रमाबाई नगर
234. रामहेत भारती, श्री सीतापुर
235. रामेश्वर सिंह यादव, श्री एटा
236. रीता बहुगुणा जोशी, प्रो0 लखनऊ
237. रूबी प्रसाद, श्रीमती सोनभद्र
238. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
239. लक्ष्मीकान्त उर्फ पप्पू निषाद, श्री सन्तकबीर नगर
240. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, डा0 मेरठ
241. लक्ष्मी गौतम, श्रीमती भीमनगर
242. ललितेश पति त्रिपाठी, श्री मिर्जापुर
243. लोकेन्द्र सिंह, श्री बिजनौर
244. लोकेश दीक्षित, श्री बागपत
245. वकार अहमद शाह, डा0 बहराइच
246. वसीम अहमद, श्री आजमगढ़
247. विजमा यादव, श्रीमती इलाहाबाद
248. विजय कुमार पासवान, श्री सिद्धार्थनगर
249. विजय मिश्र, श्री सन्त रविदास नगर (भदोही)
250. विजय कुमार दूबे, श्री कुशीनगर
251. विजय कुमार मिश्र, श्री गाजीपुर
252. विजय बहादुर पाल, श्री कन्नौज
253. विजय बहादुर यादव, श्री गोरखपुर
254. विजय सिंह, श्री रामपुर
255. विजय सिंह पुत्र प्रेम सिंह, श्री फर्रुखाबाद
256. विनय तिवारी, श्री लखीमपुर खीरी
257. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
258. विवेक कुमार सिंह, श्री बांदा
259. विशम्भर सिंह, श्री बांदा
260. वीरपाल राठी, श्री बागपत
261. वीर सिंह, श्री चित्रकूट
262. शकुन्तला देवी, सुश्री शाहजहांपुर
263. शमशेर बहादुर उर्फ शेरू भैय्या, श्री लखीमपुर खीरी
264. शमीमुल हक, श्री मुरादाबाद
265. शहजिल इस्लाम, श्री बरेली
266. शाकिर अली, श्री देवरिया
267. शारदा प्रताप शुक्ला, श्री लखनऊ
268. शाह आलम उर्फ गुड्डु जमाली, श्री आजमगढ़
269. शिव कुमार बेरिया, श्री रमाबाई नगर
270. शिव पाल सिंह यादव, श्री इटावा
271. शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री महाराजगंज
272. शेर बहादुर, श्री अम्बेडकरनगर
273. शैलेन्द्र यादव 'ललई', श्री जौनपुर
274. श्यामदेव राय चौधरी (दादा), श्री वाराणसी
275. श्याम बहादुर सिंह यादव, श्री आजमगढ़
276. श्रद्धा यादव, श्रीमती जौनपुर
277. संग्राम यादव, डा0 आजमगढ़
278. संजय कपूर, श्री रामपुर
279. संजय प्रताप जयसवाल, श्री बस्ती
280. सतीश कुमार निगम 'एडवोकेट', श्री कानपुर नगर
281. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर

282.	सत्यदेव पचौरी, श्री	कानपुर नगर
283.	सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री	मेरठ
284.	सत्यवीर मुन्ना, श्री	इलाहाबाद
285.	सन्त प्रसाद, श्री	गोरखपुर
286.	सन्तराम कुशवाहा, श्री	जालौन
287.	सलिल विश्नोई, श्री	कानपुर नगर
288.	सावित्री बाई फूले, सुश्री	बहराइच
289.	सिबगतुल्ला अंसारी, श्री	गाजीपुर
290.	सियाराम सागर, डा0	बरेली
291.	सीमा, श्रीमती	जौनपुर
292.	सुखदेव प्रसाद वर्मा, श्री	फतेहपुर
293.	सुखदेवी वर्मा, श्रीमती	इटावा
294.	सुदामा प्रसाद, श्री	महराजगंज
295.	सुधाकर, श्री	मऊ
296.	सुधीर कुमार, श्री	उन्नाव
297.	सुनील कुमार लाला, श्री	लखीमपुर खीरी
298.	सुब्बा राम, श्री	गाजीपुर
299.	सुभाष पासी, श्री	गाजीपुर
300.	सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री	रायबरेली
301.	सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री	वाराणसी
302.	सुरेश राणा, श्री	प्रबुद्धनगर
303.	सुरेश कुमार खन्ना, श्री	शाहजहांपुर
304.	सुरेश बंसल, श्री	गाजियाबाद
305.	सुल्तान बेग, श्री	बरेली
306.	सैय्यद कासिम हसन, श्री	फतेहपुर
307.	सोबरन सिंह यादव, श्री	मैनपुरी
308.	स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री	कुशीनगर
309.	हरिओउम् यादव, श्री	फिरोजाबाद
310.	हुकुम सिंह, श्री	प्रबुद्धनगर
311.	हेमराज वर्मा, श्री	पीलीभीत

नोट :-मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव), राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास तथा लोक सेवा प्रबन्धन मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण मंत्री (श्री अहमद हसन) तथा पंचायती राज मंत्री (श्री बलराम यादव) भी सदन में उपस्थित थे।

[11.01 बजे] भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री इन्द्र कुमार गुजराल के निधन पर शोकोद्गार

मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव)-

आदरणीय अध्यक्ष जी, दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री आई0के0 गुजराल साहब का गम्भीर बीमारी के बाद देहान्त हो गया। वह इस देश के बारहवें प्रधानमंत्री थे। श्री आई0के0 गुजराल साहब 21 अप्रैल, 1997 में देश के प्रधानमंत्री बने थे और 19 मार्च, 1998 तक प्रधानमंत्री पद पर रहे। विभाजन के बाद पाकिस्तान से भारत आये श्री गुजराल साहब भारत के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचे और कई महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे। वह उर्दू बहुत अच्छी तरह से जानते थे, कई भाषाओं के जानकार भी रहे और विदेश में रहकर अन्य देश की विदेश नीति को भी उन्होंने कई मौकों पर दिशा दी। पाकिस्तान से सम्बन्ध कैसे हों ? इस पर श्री आई0के0 गुजराल साहब ने बहुत महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये। और दोनों देश एक हों इस दिशा में वे काम करते रहे। मैं अपनी ओर से पूरे सदन की तरफ से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

माननीय अध्यक्ष जी, मा0 नेता सदन एवं सभी दलीय नेतागण। मान्यवर, इस देश के पूर्व प्रधानमंत्री रहे श्री इन्द्र कुमार गुजराल जी आज हमारे बीच में नहीं है। 30 नवम्बर, 2012 को एक लम्बी पारी खेलने के बाद उनका निधन हुआ। इसके सम्बन्ध में अभी माननीय नेता सदन ने जो शोक-संवेदना व्यक्त की है उससे मैं भी अपने को सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, साथ ही साथ श्री गुजराल जी एक बहुआयामी प्रतिभा के व्यक्ति थे। छात्र संघ की राजनीति से उन्होंने राजनीति की शुरूआत की थी। अंग्रेजों भारत छोड़ों आन्दोलन में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही। वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी रहे और उच्च शिक्षा प्राप्त एक प्रखर विद्वान भी रहे। इत्तिफाक से आज ही के दिन 04 दिसम्बर, 1919 को उनका जन्म भी हुआ था और इत्तिफाक से आज 4 दिसम्बर ही है। वह सामाजिक और राजनीतिक कार्यों में सदैव सक्रिय रहते थे। इसके साथ ही साथ वह राज्य सभा और लोक सभा, दोनों सदनों के सदस्य भी रहे है वर्ष 1976 से 1980 में वह सोवियत संघ में भारत के राजदूत भी रहे। सरकार में केन्द्र की सरकार में कई बार कैबिनेट मंत्री भी रहे और देश का प्रधानमंत्री बनने का भी उन्हें अवसर मिला। चूंकि उनके साथ कुछ दिन तक रहने का, काम करने का मुझे भी मौका मिला था मैंने नजदीक से देखा था कि बहुत ही मिलनसार व्यवहारिक और सीधे सादे और सपाट बिल्कुल सादगी के साथ रहने वाले नेता थे। आज ऐसे कर्मठ समाजसेवी नेता, प्रखर वक्ता और विद्वान के रूप में श्री इन्द्र कुमार गुजराल जी का जो एक महान व्यक्तित्व था आज हमारे बीच में नहीं है। उनके निधन से हम सभी दुखी है। यद्यपि उसकी भरपाई नहीं हो सकती उनके निधन से जो स्थान रिक्त हुआ है उसकी भरपाई नहीं हो सकती लेकिन इस दुख की घड़ी में मेरी और मेरी पार्टी बहुजन समाज पार्टी तथा समूचे विपक्ष की ओर से मैं उन्हें शोक संवेदना व्यक्त करता हूं श्रद्धांजलि देता हूं और उनके परिवारीजनों तक मेरी शोक संवेदना आपके माध्यम से पहुंचे ऐसा मैं अनुरोध भी करता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि सदन जो दुख का एहसास कर रहा है इस पूरे सदन की भावना को और शोक संवेदना को उनके परिवारीजनों तक पहुंचाने का आप काम करेंगे जिससे कि इस संकट की घड़ी में परिवारी- जनों को एक संबल मिल सके। धन्यवाद।

श्री हुकुम सिंह-

अध्यक्ष जी, स्व0 इन्द्र कुमार गुजराल देश के पूर्व प्रधानमंत्री उनके निधन पर जो शोक की भावना व्यक्त की है नेता सदन ने नेता प्रतिपक्ष ने उसके साथ मैं अपनी भावनाओं को सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, उनका व्यक्तिगत बिल्कुल अद्वितीय व्यक्तित्व था बिल्कुल अलग हटकर वह थे, कोई पाखण्ड कोई दिखावा छूकर भी उनको नहीं गया था। आम तौर पर अधिकांश राजनेता जब तक 15-20 सुरक्षाकर्मी उनके आसपास न चले संतोष नहीं होता है। हमने उनको देखा है प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुये भी और उसके बाद भी बहुत सीधा सादा जीवन आम नागरिक की तरह रहना पसन्द करते थे प्रधानमंत्री पद से मुक्त होने के पश्चात् जिस कालोनी में वह रहते थे वहां पार्क में जाना आम लोगों के साथ घूमना सबके साथ हंसना वही पुरानी अपनी स्थिति जो मित्रों के साथ होती थी उसी प्रकार के उनकी जीवनशैली थी। राजदूत रहे रूस में और अपने राजदूत के कार्यकाल में दोनों देशों के सम्बन्धों को प्रगाढ़ करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही। वह समझते थे इस बात को केवल राजनीति में नहीं थे कला में भी अद्वितीय थे, विद्वान थे, पढ़ने लिखने का शौक था। जिस विभाग में भी रहे अपनी छाप छोड़ी। बहुत अल्पावधि का उनका प्रधानमंत्री काल रहा लेकिन किसी भी कन्ट्रोवर्सी में, किसी भी विवाद को कोई प्रश्न नहीं उठा उनके बारे में। जो करना था किया, जो सही समझा वह निर्णय लिया। यही एक अच्छे आदमी की सही आदमी की पहचान होती है मान्यवर, और इन्द्र कुमार गुजराल उन सब गुणों से भरपूर थे जो एक आम आदमी में होने चाहिये। एक अच्छे प्रशासक में होने चाहिये, एक अच्छे सपूत में होने चाहिये और एक अच्छे राजनेता में होने चाहिये। यह सही बात है कि ऐसे व्यक्ति के उठ जाने से देश में एक बहुत विद्वान व्यक्ति का अभाव हमेशा खलेगा। हम हमने श्रद्धा सुमन उनके चरणों में अर्पित करते हैं। अपनी व अपनी पार्टी भारतीय जनता पार्टी की ओर से उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और आपसे अनुरोध हैं मान्यवर कि हमारी भावनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री प्रदीप माथुर-

माननीय अध्यक्ष जी, नेता सदन, नेता विरोधी दल, नेता भारतीय जनता पार्टी ने जो विचार व्यक्त किये हैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं। आज गुजराल साहब हमारे बीच में नहीं हैं। वह एक कुशल नेता थे जो कि झेलम पाकिस्तान में पैदा हुये थे। वे एक बहुआयामी व्यक्तित्व के मालिक थे। विभिन्न पदों पर रहते हुये उन्होंने तमाम मंत्रालयों खासतौर से कांग्रेस के शासन काल में देखे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में, विदेश मंत्री के रूप में देश का नाम रौशन किया। दो बार राज्य सभा के सदस्य रहे और राज्य सभा के सदस्य रहते हुये प्रधानमंत्री रहे। आज वे हमारे बीच में नहीं है। 92 वर्ष की आयु में उनका स्वर्गवास हुआ। उनकी कमी हमेशा हमारे बीच में खलेगी। हम और हमारा दल उनके प्रति संवदेना व्यक्त करता है। हमारे दल की शोक संवेदनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें।

श्री दलवीर सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं और मेरा दल नेता सदन, नेता प्रतिपक्ष, नेता भारतीय जनता पार्टी और नेता कांग्रेस द्वारा रखे गये विचारों के साथ अपने को सम्बद्ध करते हैं। आपसे निवेदन करते हैं कि मेरे व मेरे दल की तरफ से शोक संवदेनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें।

(नेता, पीस पार्टी का नाम पुकारे जाने पर माननीय नेता उपस्थित नहीं थे)

श्री सिबगतुल्ला अंसारी-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्यमंत्री जी, विपक्ष के सभी नेताओं के साथ अपने आप को सम्बद्ध करते हुये इस दुःख की घड़ी में मैं स्वर्गीय गुजराल के प्रति खिराज-ए-अकीदत पेश करता हूं और आपसे अनुरोध करता हूं मेरे व मेरे दल की भावनाओं को उनके परिवार तक पहुंचाने का कष्ट करें।

(नेता, अपना दल का नाम पुकारे जाने पर माननीय नेता उपस्थित नहीं थे)

श्री अध्यक्ष-

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री इन्द्र कुमार गुजराल का 30 नवम्बर, 2012 को निधन हो गया। वे लगभग 93 वर्ष के थे। श्री इन्द्र कुमार गुजराल का जन्म 4 दिसम्बर, 1919 को झेलम, पाकिस्तान में हुआ था। उन्होंने एम0ए0 पी0एच0डी0 एवं0 डी0लिट0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री इन्द्र कुमार गुजराल ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभायी थी तथा वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन में जेल भी गये थे। वे छात्र संघ के अध्यक्ष रहे थे। वर्ष 1976 से 1980 तक वे सोवियत संघ में भारत के राजदूत रहे। वे वर्ष 1964 से 1970, 1970 से 1976 तथा 1992 से 1998 तक राज्य सभा के सदस्य तथा नवीं लोक सभा के सदस्य, भी रहे थे। वे संसदीय कार्य, संचार, सूचना और प्रसारण निर्माण, आवास और शहरी विकास तथा योजना मंत्रालयों में केन्द्रीय राज्य मंत्री रहे। श्री गुजराल दो बार विदेश मंत्रालय के मंत्री रहे। उन्होंने 21 अप्रैल, 1997 से 19 मार्च, 1998 तक देश के प्रधानमंत्री पद को सुशोभित किया। श्री गुजराल सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से भी जुड़े रहे। वे नारी निकेतन ट्रस्ट तथा ए0एन0 गुजराल मेमोरियल स्कूल, जालंधर के अध्यक्ष एवं लोक कल्याण समिति के उपाध्यक्ष भी रहे थे। श्री इन्द्र कुमार गुजराल के निधन से देश ने एक कुशल प्रशासक एवं विद्वान नेता खो दिया। उनके निधन से आज पूरा सदन शोकाकुल है। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से एवं पूरे सदन की ओर से ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करें और उनके शोक संतप्त परिवार को इस गहन दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। मैं इस सदन में व्यक्त शोक संवेदनायें मृतक के शोकाकुल परिवार तक पहुंचा दूंगा। हम दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिये दो मिनट खड़े होकर मौन रखेंगे।

(सभी सदस्य दो मिनट के लिये अपने-अपने स्थान पर मौन खड़े हुये।)

श्री अध्यक्ष-

कृपया स्थान ग्रहण करें।

[11.17 बजे] विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री रामकरन यादव के निधन पर शोकोद्गार

मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव)-

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, इस सदन में मुझे बहुत दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व मा0 सदस्य श्री रामकरन यादव का 1 दिसम्बर, 2012 को निधन हो गया

वह कैंसर से पीड़ित थे। श्री रामकरन यादव वर्ष 1969 तथा वर्ष 1980 में विधान सभा सदस्य चुने गये थे। वह वर्ष 1990 से 1996 तथा वर्ष 1997 से वर्ष 2003 तक विधान परिषद् के सदस्य भी रहे। श्री रामकरन यादव पूर्वांचल में समाजवाद के प्रखर नेता थे। वह आम लोगों में दादा के नाम से भी लोकप्रिय थे और गाजीपुर से लेकर पूर्वांचल के पूरे इलाके में 'दादा' गांधी के नाम से भी प्रसिद्ध थे। उन्होंने समाजवादी आन्दोलन को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। विधान सभा तथा विधान परिषद् में जब भी वह सदस्य रहे, आम लोगों की समस्या, कृषकों की आवाज, किसानों की तकलीफ, नौजवानों की आवाज को पुरजोर ढंग से उठाते रहे। श्री रामकरन यादव ने सन् 1942 के स्वतंत्रता आन्दोलन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं कर्मठ समाजसेवी के निधन से पार्टी को अपूर्णनीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। मैं श्री रामकरन यादव की आत्मा की शान्ति के लिये ईश्वर से प्रार्थना करता हूं और उनके दुखी परिजनों के लिये अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय नेता सदन एवं सभी माननीय दलीय नेतागण, मान्यवर, गांव खेत खलिहान की एक असली पहचान के रूप में दादा रामकरन यादव जी का पूर्वांचल में एक अपना स्थान था यहां तक कि पूर्वांचल के लोग उनको नाम से कम पूर्वांचल के गांधी के नाम से ज्यादा जानते थे। एक दिसम्बर को उनका निधन हुआ और उनके निधन से लगता है कि एक युग का अन्त हो गया। मान्यवर, बहुत पहले, जब मैंने लोकदल से राजनीति की शुरूआत की थी तो मैं उनकी सादगी और साफगोई से बहुत प्रभावित रहता था और बहुत ही सादे और ग्रामीण परिवेश में राजनीति में जो गांव की पहचान होती वह उनमें साफ दिखाई पड़ती थी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे, दबे-कुचले, शोषित-पीड़ित, मजलूम समाज के शुभचिन्तक थे। कभी किसी पर जुल्म, अत्याचार होता था, प्रमुखता से उसको उठाते थे, उसको न्याय दिलाने के लिये सतत् प्रयास करते थे और निचली सीढ़ी अर्थात् निचले पायदान से चल करके प्रदेश की राजनीति में उन्होंने अपना एक स्थान बनाया था, वे न्याय पंचायत के सरपंच, ग्राम प्रधान, ब्लाक प्रमुख, सदस्य-जिला परिषद्, जिला सहकारी बैंक तथा मण्डी परिषद आदि सभी में भिन्न-भिन्न समयों में वह निर्वाचित सदस्य रहे हैं और मान्यवर, विधान मण्डल के दोनों सदनों में सदस्य, विधान परिषद् सदस्य, विधान सभा के रूप में रह करके उन्होंने समय-समय पर प्रदेश की ज्वलंत समस्याओं को भी यहां पर प्रस्तुत किये हैं। वे कर्मठ समाजसेवी थे और समाज-सेवा ही उनकी पहचान थी, प्रमुखता थी, राजनीति तो गौण थी। सामाजिक कार्यों के चलते-चलते वह राजनीति के भी उच्च शिखर पर पहुंचे तो स्वाभाविक रूप से जो इतना ज्यादा जनप्रिय और लोकप्रिय रहा हो तथा जिसकी इतनी लम्बी सेवा रही हो, आज हमारे बीच में नहीं है तो यह दुःख स्वभाविक है। हम सभी उनके निधन पर दुखी है। मान्यवर, लोग आते और जाते हैं लेकिन वह पूर्वांचल का गांधी न दूसरा पैदा हो सकता है और दूसरे 'दादा' राम करन कोई बन सकते हैं तो स्वाभाविक रूप से प्रदेश ने एक जन-नेता खोया है, समाजसेवी खोया है, गंवई-गांव, खेत-खलिहान की पहचान खोई है। हम सभी इस घड़ी है, हम अपनी ओर से, बहुजन समाज पार्टी की ओर से और समूचे विपक्ष की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और शोक-संवेदना व्यक्त करते हैं और

मान्यवर, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि हमारी इस भावना को, शोक-संवदेना को उनके परिवारीजनों तक पहुंचाने का कष्ट करें, जिससे इस दुख की घड़ी में परिवारीजनों को सान्त्वना मिल सके, धन्यवाद।

श्री हुकुम सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, जो शोक संदेश माननीय नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष ने यहां पर रखा, उनकी भावना से मैं अपने आप को सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, आपको स्मरण होगा, जब 1980 में राम करन जी यहां आये, बहुत कम बोलते थे, लेकिन जितना बोलते थे, बिन्दुवार बोलते थे। यहां अपनी सीट पर वह बैठते थे, हमारा उनका आपस में बहुत स्नेह था। जो गांव की पृष्ठ-भूमि से आते थे, उनके प्रति उनका लगाव बहुत ज्यादा होता था। समाजवाद का लबादा उन्होंने नहीं ओढ़ा, बल्कि उनके हर काम में समाजवाद छाया था। जो व्यक्ति गांव प्रधान, न्याय पंचायत का सरपंच, ब्लाक का प्रमुख, को-आपरेटिव बैंक का चेयरमैन, मण्डी समिति का चेयरमैन इन पदों पर आया हो। सीधे-सीधे गांव की जनता से उनका लगाव था, जुड़ाव था। श्रीमन्, बहुत कम ही ऐसे व्यक्ति होते हैं जो सरपंच, प्रधान के पद से होते हुये विधायक के पद तक पहुंच पाते हैं। रामकरन यादव जी की आयु हो चुकी थी लेकिन वे सदैव सतर्क रहते थे। श्रीमन् ऐसे व्यक्ति के हमारे बीच से जाने से एक राजनीति से जुड़े व्यक्ति का अभाव तो उत्पन्न होता है। श्रीमन्, हम इस सदन के माध्यम से उनको अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं। ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। आपसे प्रार्थना है कि हमारी और हमारे दल की शोक-संवेदनायें उनके शोकाकुल परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री प्रदीप माथुर-

मान्यवर, श्री राम करन यादव के निधन पर जो शोक संवेदनायें माननीय नेता सदन, मुख्य मंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष और माननीय नेता भाजपा ने व्यक्त की हैं उनसे अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, रामकरन जी पूर्वांचल के गांधी थे वे वहां के आम आदमी से जुड़े हुये थे। उनका व्यक्तित्व सादगी से भरा हुआ था। वे विभिन्न पदों पर रहे और यहां पर विधान सभा के सदस्य रहे। विभिन्न पदों पर रहकर जो उन्होंने जनता की सेवा की, इस तरह के व्यक्तित्व से हम सबको सीख लेनी चाहिये। अपनी सादगी से आम लोगों के बीच वे 'दादा' के नाम से जाने जाते थे। मान्यवर, मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उनके निधन पर शोक संवेदनायें व्यक्त करता हूं और आपसे प्रार्थना है कि उनके दुखी परिवार तक हमारी शोक संवेदनायें पहुंचाने का कष्ट करें।

श्री दलवीर सिंह-

मान्यवर, श्री राम करन यादव जी के निधन पर पूरा सदन आज शोक संतृप्त है। उनके निधन पर माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता भाजपा, माननीय नेता कांग्रेस ने जो शोक संवेदनायें व्यक्त की है, उससे मैं अपने को और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं। आपसे निवेदन है कि हमारी शोक संवेदनायें उनके शोक संतृप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेता पीस पार्टी। नहीं है

(श्री कमाल यूसुफ मलिक के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप पीस पार्टी की ओर से बोलेंगे।

श्री कमाल यूसुफ मलिक-

मान्यवर, पीस पार्टी की ओर से बोलेंगे ही। मेरा उनसे व्यक्तिगत बहुत लगाव रहा है।

मान्यवर, अभी माननीय नेता सदन, माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय नेता विरोधी दल, माननीय नेता भाजपा, माननीय नेता कांग्रेस, माननीय नेता राष्ट्रीय लोकदल ने श्री रामकरन यादव जी के निधन पर जो शोक संवेदनायें व्यक्त की हैं, मैं उनसे अपने को सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, ''दादा'' 1980 में जब यहां विधान सभा में सदस्य बनकर आये थे तो उनके साथ मुझे भी इस सदन में बैठने का मौका मिला। ''दादा'' दुबले-पुतले व्यक्ति थे परन्तु इच्छा शक्ति के मालिक थे। वे समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे हैं। चौधरी चरण सिंह जी उनसे बेपनाह मुहब्बत करते थे। माननीय हुकुम सिंह जी भी उस समय हम लोगों के साथ यहां हाउस में बैठते थे। आज दादा हमारे बीच में नहीं हैं। दादा ग्रामीण पृष्ठ भूमि से आते थे और गरीबों की आवाज उन्होंने यहां इस सदन में उठायी। उनके निधन से मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत दुखी हूं। मेरी प्रार्थना है कि हमारी शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री सिबगतुल्ला अंसारी-

माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता भाजपा, माननीय नेता कांग्रेस पार्टी ने आज यहां श्री राम करन यादव जी के निधन पर अपनी शोक संवेदनायें व्यक्त की हैं। मान्यवर, आज गाजीपुर की एक महान हस्ती के निधन पर हम लोग शोक मना रहे हैं। मान्यवर, ऐसे लोगों के लिये ही कहा गया है कि ''हजारों साल नरगिस अपनी बेनूरी पे रोती है, बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदावर पैदा।'' अध्यक्ष महोदय, राम करन यादव जी हम सबके सरपरस्त थे। आज गाजीपुर ही नहीं पूरा पूर्वांचल उनके न रहने से दुखी है। उनके निधन से हम सबने अपना एक सरपरस्त खोया है, वैसा व्यक्ति शायद फिर से मिले। मान्यवर, हम गाजीपुर के होने के नाते, उस धरती के पुत्र होने के नाते, उस मरहूम शख्सियत को अपनी खिराज-ए-अकीदत पेश करते हैं। हम सभी गाजीपुरवासियों को ओर से यह प्रार्थना करते हैं कि इस दुख की घड़ी में सब्र देने के लिये ईश्वर उनके परिवार को शक्ति दे, श्री राम करन यादव जी की आत्मा को शान्ति प्रदान करें। आपसे निवेदन है कि हमारी शोक संवेदनायें उनके परिवार तक पहुंचाने को कृपा करें।

श्री कलराज मिश्र-

मान्यवर, स्व0 रामकरन यादव जी, चूंकि मैं भी उसी जनपद का रहने वाला हूं और मेरे गांव के नजदीक के गांव के रहने वाले रामकरन जी थे। मैं केवल इतना कह सकता हूं कि यद्यपि कि वह एक राजनीतिक दल में थे लेकिन उनको लोग किसी राजनैतिक दल के व्यक्ति के रूप में नहीं स्वीकार करते थे उनको लोग यही अनुभव करते थे कि रामकरन जी तो हमारे हैं वह चाहे पिछड़े वर्ग के हों,

चाहे सवर्ण हो, चाहे दलित हो, हर प्रकार के लोग अपनी समस्या के निवारण के लिए उनके पास जाने में कोई संकोच नहीं करते थे और मेरे व्यक्तिगत और पारिवारिक सम्बन्ध उनसे बहुत ही घनिष्ठ थे। 3 माह पहले मैं उनको देखने के लिए गया था। अभी मैं जाने वाला था कि तब तक यह समाचार मिला कि वह नहीं रहे। उनके न रहने से, स्वर्गीय होने से निश्चित रूप से उस क्षेत्र के लोगों के मन में जो एक आत्मविश्वास भरा रहता था कि कोई परेशानी होगी, दिक्कत होगी, भले ही दादा अस्वस्थ्य होंगे तो भी उनके पास जाऊंगा तो हमें न्याय भी प्राप्त होगा और हमारी समस्या का समाधान भी होगा। एक विश्वास लोगों में बना था अस्वस्थ होने के बावजूद और इसलिए उनके जाने के कारण केवल समाजवादी पार्टी के लोगों को कष्ट हुआ हो या कोई विशेष लोगों को कष्ट हुआ हो, ऐसा नहीं है। उस क्षेत्र में रहने वाले सर्वसामान्य लोगों को अत्यधिक पीड़ा हुई है। लोगों को लगने लगा कि यह क्या हो गया है। मैं तो गुजरात में था मुझे तो एक डाक्टर ने फोन किया, जिस दिन वह दिवंगत हुए उनके घर से फोन किया कि दादा नहीं रहे आप कब आ रहे हैं। तो जानकरके अत्यधिक पीड़ा हुई इसलिए जब यह औपचारिकता यहां बरती जा रही थी तो मैं अपने को रोक नहीं पाया। हमारे दल से इन्होंने व्यक्त कर दिया था तो भी चूंकि अत्यधिक निकटता होने के कारण और उनकी सादगी तथा जीवन के आचरण और व्यवहार में सचमुच समाजवादी थे, वे केवल वाणी में नहीं आचरण और व्यवहार में भी थे, सबको साथ में लेकर अपने व्यक्तित्व के अन्दर समाहित करते हुए चलने की अदभुत क्षमता थी इसलिए, उनको लोग कहते थे कि दादा का तो कोई शत्रु है ही नहीं, दादा तो ऐसे हैं कि कोई भी जा सकता है तो इस प्रकार से अगर मैं कहूं कि ग्रामीण क्षेत्र में रहने के बाद अनेक प्रकार से आपस में विवाह होने के बाद भी दूसरे दल के रहने के बाद भी उनके प्रति यह भाव बनना कि उनका कोई शत्रु नहीं, अजात शत्रु हैं यह निश्चित रूप से उस व्यक्ति के व्यक्तित्व की महानता का द्योतक है। ऐसे व्यक्ति हमारे बीच में नहीं हैं।

ग्रामीण परिवेश में रहते हुए भी अपने को उसी के अनुरूप ढ़ालकर लोगों के बीच में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन देते रहना एक अद्भुत गुण था, वह हमारे बीच में नहीं है, मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत आघातित हूं। वैसे सब लोगों ने अपना विचार व्यक्त किया है मैं ऐसी आत्मा के बारे में ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनको शांति प्रदान करें। सभी को जो वज्राघात हुआ है इसके कारण, उसको सहन करने की शक्ति दे और अपने दल की तरफ से हुकुम सिंह जी ने व्यक्त कर दिया है मैं भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री राम करन यादव का 01 दिसम्बर, 2012 को निधन हो गया। वे लगभग 84 वर्ष के थे। श्री राम करन यादव का जन्म 27 जुलाई, 1928 को ग्राम इशोपुर, जिला गाजीपुर में हुआ था। उन्होंने इण्टरमीडिएट की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री राम करन यादव वर्ष 1969 में निर्वाचन क्षेत्र सईदपुर, जिला गाजीपुर से भारतीय क्रान्ति दल के टिकट पर तथा वर्ष 1980 में निर्वाचन क्षेत्र सैदपुर, जिला वाराणसी से जनता (एस0) चरण सिंह के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुये थे। वे वर्ष 1990 से 1996 तथा 1997 से 2003 तक उत्तर प्रदेश विधान

परिषद् के सदस्य भी रहे थे। श्री राम करन यादव ने वर्ष 1942 के स्वतंत्रता आंदोनल में सक्रिय रूप से भाग लिया था। वे न्याय पंचायत के सरपंच, ग्राम प्रधान एवं ब्लाक प्रमुख रहे थे। वे जिला परिषद् के सदस्य, जिला कोऑपरेटिव बैंक, गाजीपुर के डायरेक्टर, मण्डी समिति, सैदपुर के अध्यक्ष तथा कृषक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, इशोपुर के प्रबन्धक आदि पदों पर भी आसीन रहे थे। राजनीति, संगठन एवं किसानों की आर्थिक दशा में सुधार में उनकी विशेष रूचि थी। श्री राम करन यादव के निधन से प्रदेश ने एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा उनके शोक संतप्त परिवार को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मैं इस सदन में व्यक्त शोक संवेदनायें मृतक के शोकाकुल परिवार तक पहुंचा दूंगा। अब हम दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट मौन रखेंगे।

(सभी सदस्य दो मिनट के लिये अपने-अपने स्थान पर मौन खड़े हुए।)

श्री अध्यक्ष-

कृपया अब आसन ग्रहण करें।

अब हम उठते हैं कल पूर्वाह्न 11.00 बजे फिर मिलेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 11 बजकर 36 मिनट अगले दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :

दिनांक 4 दिसम्बर, 2012

प्रदीप कुमार दुबे,

प्रमुख सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-एल0 305 विधान सभा (558)-1-2-2013-813 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।